सेवा सदन संवाद

69 वाँ स्थापना दिवस : 31 अगस्त, 2026

PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
NABH (ENTRY LEVEL) CERTIFIED

(स्थापित 1958)

समर्पित सेवा के 69वें वर्ष में प्रवेश

"सम्मान सेवा सदन के कार्य का, प्रेरणा सेवा सदन के संकल्प की"

नागरमल मोदी सेवा सदन

कम खर्च - समुचित इलाज - सही व्यवहार

सेवा सदन पथ, राँची - 834001, Helpline (24x7) 6204752640, 6204752651
sevasadan7@gmail.com www.nmss.co.in sevasadanranchi sevasadanhospital_

झलकियाँ

अध्यक्षीय...

किसी भी महान् संस्था की पहचान केवल उसकी वर्तमान उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि उसके सपनों, उसके मूल्यों और उसके भविष्य के विज़न से होती है। नागरमल मोदी सेवा सदन की स्थापना वर्ष 1958 में एक ऐसे समय में हुई, जब राँची और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएँ अत्यंत सीमित थीं। उस समय जिन महानुभावों ने इस संस्था की नींव रखी, उन्होंने केवल एक अस्पताल की स्थापना नहीं की, बल्कि सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की एक ऐसा परंपरा प्रारंभ की, जो आज भी हमारे प्रत्येक कार्य का आधार है।

स्थापना काल से ही सदन ने अनेक चुनौतियों का सामना किया है। संसाधनों की कमी, बदलती चिकित्सा आवश्यकताएँ, तकनीकी परिवर्तन और समय-समय की नई-नई अपेक्षाएँ - इन सबके बीच समकालीन पदाधिकारियों के अथक प्रयास, सदस्यों के सहयोग और समाज के विश्वास ने इस संस्था को निरंतर आगे बढ़ाया। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो स्पष्ट दिखाई देता है कि सदन की प्रत्येक उपलब्धि एक सामूहिक संकल्प का परिणाम है।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि दृढ़ निश्चय, ईमानदार प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ किसी भी कठिनाई से उबरा जा सकता है और किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। हमने जो-जो चाहा, उसे केवल कल्पना तक सीमित नहीं रखा; उसे साकार करने का साहस और निरंतर प्रयास भी किया। हमने चाहा कि सदन की समस्त गतिविधियाँ कम्प्यूटरीकृत हों, और आज हमारी प्रशासनिक एवं चिकित्सीय व्यवस्थाएँ डिजिटल प्रणाली से संचालित हो रही हैं। हमने चाहा कि सदन में एक आधुनिक कैथ लैब स्थापित हो और एक पूर्ण विकसित हार्ट सेंटर बने। आज यहाँ एंजियोग्राफी ही नहीं, बल्कि सफलतापूर्वक ओपन हार्ट सर्जरी भी की जा रही है। हमने चाहा कि गुणवत्ता हमारी पहचान बने, और सदन को NABH Entry Level Accreditation प्राप्त हुई। हमने चाहा कि आर्थिक रूप से कमजोर रोगियों को सस्ती और सम्मानजनक डायलिसिस सुविधा मिले, और आज हमारी लो कॉस्ट डायलिसिस सेंटर मात्र रु० 500/- में यह जीवनरक्षक सेवा प्रदान कर रहा है। ये उपलब्धियाँ हमें संतोष अवश्य देती है, किन्तु हमें रुकने का अधिकार नहीं देती। हमारी यात्रा अभी जारी है।

हमारा अगला लक्ष्य है कि सदन के सभी अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर एक ही फ्लोर पर विकसित हों, जिससे रोगी सुरक्षा, कार्यकुशलता और चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि हो। हार्ट सेंटर की तरह हम एक समग्र किडनी केयर सेंटर स्थापित करना चाहते हैं, जहाँ नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, डायलिसिस और किडनी ट्रांसप्लांट से संबंधित सभी सेवाएँ एक ही परिसर में उपलब्ध हों। हम चाहते हैं कि आने वाले वर्षों में ओपीडी और आईपीडी की अधिकांश प्रक्रियाएँ Artificial Intelligence (AI) Driven हों, ताकि रोगियों को अधिक तेज, अधिक सटीक, अधिक सुरक्षित और अधिक सुविधानजक स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त हों।

हमारा विज़न

हमारा लक्ष्य केवल एक बड़ा अस्पताल बनना नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि नागरमल मोदी सेवा सदन पूर्वी भारत का ऐसा प्रौद्योगिकी-संपन्न, गुणवत्तापूर्ण, मानवीय और समाजोन्मुख स्वास्थ्य संस्थान बने, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को उसकी आर्थिक स्थिति की चिंता के बिना उत्कृष्ट चिकित्सा उपलब्ध हो। ऐसा संस्थान जहाँ सेवा सर्वोच्च मूल्य हो, गुणवत्ता संस्कृति हो, नवाचार हमारी कार्यशैली हो और मानवता हमारी पहचान हो।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि संस्थापकों के आदर्श, पूर्व पदाधिकरियों की विरासत, सदस्यों का सहयोग, समाज का विश्वास और हमारी समर्पित टीम का सतत् प्रयास भविष्य में भी हमारे प्रत्येक संकल्प को सिद्धि में परिवर्तित करेगा।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे सदन का निर्माण करें जो केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा न करे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा का आदर्श बना रहे।

"सपने वे नहीं जो हम सोते समय देखते हैं;
सपने वे हैं जो हमें जागते हुए उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करते हैं।"

इसी विश्वास के साथ, आइए हम सेवा, समर्पण और नवाचार की सदन की यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ...

अरुण छावछरिया
अध्यक्ष

सचिव की कलम से...✍

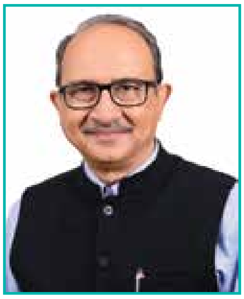

नागरमल मोदी सेवा सदन के सचिव पद का लगातार दूसरे सत्र में दायित्व मेरे भीतर सदन के प्रति और भी गहरी भावना, जिम्मेदारी का बोध एवं एक अदृश्य शक्ति का आशीर्वाद महसूस कराता है। सेवा सदन का अस्तित्व मेरे जन्म से भी पहले से है। अपने बचपन से ही यहाँ बाबू जी लोगों के साथ मेरा आना-जाना और एक आत्मीय जुड़ाव रहा है। मेरे जन्म के बाद से लेकर आज तक इस संस्थान में अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन और विकास हुए हैं। इन बदलावों को अपनी आँखों के सामने होते देखना मेरे लिए केवल एक अनुभव ही नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी रही है।

आज सेवा सदन एक ऐसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़ा है, जहाँ अनुभव और नई ऊर्जा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। "Next Gen" को ध्यान में रखते हुए हमारे साथ दूसरी पीढ़ी के चिकित्सकों का जुड़ना इस बात का संकेत है कि सेवा सदन की चिकित्सा परंपरा केवल आगे ही नहीं बढ़ रही, बल्कि नई पीढ़ी के चिकित्सकों के ज्ञान, तकनीक और दृष्टिकोण के साथ और मजबूत हो रही है।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि अनेक चिकित्सक एवं परिवारों की नई पीढ़ी भी सेवा सदन से जुड़कर रोगियों की सेवा कर रही है।

गत वर्ष से इस वर्ष OPD में लगभग 14% तथा Surgeries में लगभग 11% की वृद्धि हमारे प्रति रोगी के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। विशेष रूप से गंभीर रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि आज रोगी और उनके परिवार सेवा सदन को कठिन और जटिल परिस्थितियों में भी भरोसेमंद चिकित्सा संस्थान के रूप में देख रहे हैं।

सदन के बाह्य विभाग में गत वर्ष लगभग 60 हजार OPD मात्र Rs. 200/- प्रति रोगी की दर पर देखे गए हैं। रोगियों की सुविधा हेतु OPD का नवीनीकरण एवं निर्माण करना हमारी भावी योजना के अंतर्गत प्राथमिकता में है। त्वरित गति से गुणवत्तापूर्ण जाँच हेतु पैथोलॉजी विभाग में 3 उन्नत तकनीक की मशीनें लगाई गई हैं। हर्ष के साथ सूचित करता हूँ कि दिनांक 01 जुलाई 2026 से 'झारखंड राज्य कर्मचारियों की कैशलेस योजना' भी शुरू कर दी गई है।

हमारा प्रयास केवल रोगियों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि हर मरीज को बेहतर, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा देना है। सेवा सदन में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और तकनीकों को लगातार जोड़ा जा रहा है। सेवा सदन में अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता हमारे चिकित्सकों और विशेषज्ञों को बेहतर उपचार प्रदान करने में सक्षम बना रही है। 'गंभीर रूप से बीमार रोगियों के उपचार हेतु उन्नत तकनीक के उपकरण जैसे Ventilator इत्यादि पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराए गए हैं।'

परिचारिकाओं के कौशल विकास हेतु निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सेवा सदन की कार्यसंस्कृति में "Hospital with Hospitality" की भावना को और मजबूत करना भी हमारा उद्देश्य है। रोगी जब अस्पताल में आए, तो उसे केवल चिकित्सा सुविधा ही नहीं, बल्कि सम्मान, संवेदना और अपनापन भी मिले, यह हमारी जिम्मेदारी है। अस्पताल की गुणवत्ता का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी मशीनों और भवनों से नहीं, बल्कि रोगी के अनुभव और उसके विश्वास से होता है।

हम आने वाले समय में "Critical Care" और अन्य विशेषज्ञ सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में भी निरंतर कार्य कर रहे हैं। आधुनिक सुविधाओं, बेहतर Infrastructure और Skilled Manpower के साथ हमारा प्रयास है कि गंभीर रोगियों को अधिक से अधिक उपचार सुविधाएँ एक ही संस्थान में उपलब्ध हो सकें। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट होकर रूकें नहीं। उपलब्धियों का अतीत हमें गौरव देता है, लेकिन उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है। सेवा सदन की विकास यात्रा इसी सोच के साथ आगे बढ़नी चाहिए, जहाँ 'अनुभव हमारी ताकत हो, नई पीढ़ी हमारी ऊर्जा हो, तकनीक हमारा साधन हो और रोगी का विश्वास हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य हो।'

सेवा सदन के अध्यक्ष, सभी पदाधिकारियों, उपसमिति के चेयरमैन, संपादकीय बोर्ड, सदन के सभी चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ, प्रशासनिक टीम और प्रत्येक कर्मचारी के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके समर्पित प्रयासों से सेवा सदन निरंतर आगे बढ़ रहा है। साथ ही मैं अपने सभी सदस्यों, शुभचिंतकों और समाज के प्रति भी कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने वर्षों से सेवा सदन पर अपना विश्वास बनाए रखा है। आज जब मैं इस संस्थान की यात्रा को पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो मुझे इसके साथ जुड़ी अनेक यादें, संघर्ष, उपलब्धियाँ और परिवर्तन दिखाई देते हैं। समय के साथ अस्पताल ने स्वयं को बदला, नई सुविधाओं को अपनाया और समाज की सेवा के अपने उद्देश्य को और मजबूत किया। इस यात्रा का हिस्सा होना मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है।

सेवा की इस निरंतर यात्रा में हमारा अगला लक्ष्य और भी ऊँचा हो।

''गौरवशाली अतीत हमारी पहचान है और उज्ज्वल भविष्य हमारा संकल्प।''

आशीष (मीनू) मोदी
मानद सचिव

उद्‌गार...

BRIJ K. JHAWAR

ARJUN ENCLAVE
FLAT NO. 4C & 5C
12C, JUDGES COURT ROAD, KOLKATA - 700 027 (INDIA)
Phone : (Off) - 00 91 33 7100 6468 / 6450
(Res) - 00 91 33 2439 8484/8485
Email : lkj@ushamartin.co.in

शुभकामना संदेश

समाज के प्रति सेवासदन का अमूल्य योगदान

स्वास्थ्य केवल उपचार का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन की सबसे बड़ी आशा है। जब कोई व्यक्ति पीड़ा, असहायता और अनिश्चितता के क्षणों से गुजरता है, तब एक अस्पताल उसके लिए केवल चिकित्सा का केंद्र नहीं, बल्कि विश्वास, संवेदना और जीवन का सहारा बन जाता है। वर्ष 1958 से नागरमल मोदी सेवा सदन ने इसी मानवीय दर्शन को अपनी पहचान बनाया है। छह दशकों से अधिक समय से यह संस्थान निस्वार्थ सेवा, करुणा और उत्कृष्ट चिकित्सा के माध्यम से अनगिनत परिवारों के जीवन में नई उम्मीद का संचार करता रहा है।

आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, अनुभवी चिकित्सकों और समर्पित स्वास्थ्यकर्मियों के साथ सेवा सदन ने यह सिद्ध किया है कि चिकित्सा का वास्तविक अर्थ केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि रोगी के मन में जीवन के प्रति विश्वास जगाना भी है। समाज के प्रति इसकी सेवा-भावना और मानवीय प्रतिबद्धता इसे एक विशिष्ट संस्थान बनाती है।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ हैं कि नागरमल मोदी सेवा सदन सेवा, संवेदना और समर्पण की इस गौरवशाली परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाता रहे, हर पीड़ित को आशा, हर रोगी को विश्वास और हर परिवार को स्वस्थ जीवन का संबल प्रदान करता रहे। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि और समाज के प्रति सबसे अमूल्य योगदान है।

BJhawar.

वृजकिशोर झवर

संपादकीय...

कई गुरुजनों और कुछ संस्थाओं ने मेरे भीतर विचार बोए हैं, अनेक संस्मरण हैं जिनसे मेरे विचारों को पोषण मिला है, सेवा सदन भी एक ऐसा ही संस्थान है।

व्यक्तिगत रूप से हर किसी के पास कुछ विशेषताएँ, विशेष गुण होते हैं। सृजनात्मक विशेषताएँ सामाजिक रूप में सेवा कार्य का कर्त्तव्य बनती हैं और प्रेरणा का रूप ले लेती हैं। हर छोटा प्रयास बड़ी योजना का हिस्सा होता है। समाज के संगठित एवं समर्पित सहयोग से, सात दशकों से सतत् सेवारत सेवा सदन आज विकल्प नहीं एक संस्थान बन गया है। सदन केवल साधन से नहीं साधना से भी सफलीभूत हुआ है। यहाँ प्रतिस्पर्धा नहीं प्रतिबद्धता है। सदन संवाद का यह अंक इन्हीं भावों के साथ प्रस्तुत है। सदन संवाद के प्रत्येक अंक में सदन के विलग-विलग बिंदुओं पर माननीय पदाधिकारियों, सदस्यों, चिकित्सकों, शुभेच्छुओं के विचारों का समावेश हो ऐसा प्रयास रहता है।

मेरे संपादन में सदन संवाद का यह लगातार चौथा अंक है। लेखों, चित्रों और आंकड़ों से सेवा सदन की उल्लेखनीय गतिविधियों की प्रस्तुति संवाद का केंद्रीय विषय होता है। संवाद में सहभागिता रही है, स्वीकार्यता रही है, यही इसकी उपयोगिता है। संवाद सार्थक तब होता है जब शब्दों में अर्थ हो, पाठक प्रत्येक प्रस्तुति में अर्थ पाएं, यही प्रयास रहता भी है। संवाद के सभी लेख प्रदाताओं का आभार, साधुवाद।

विशेष आभार बंधुवर वेद प्रकाश बागला का जिन्होंने मुझे प्रायः बोध कराया कि सदन संवाद कैसे और बेहतर हो। युवा सहयोगी वरुण जालान की भूमिका अत्यंत सराहनीय है, जिन्होंने जुटाए गए शब्दों को संवाद में प्रस्तुत करने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

सदन संवाद के संपादन में मानवीय भूल संभव है, इसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। संवाद को और भी सार्थक बनाने में आपके सुझावों का सदैव स्वागत है, शुभकामनाओं सहित....

आलोक तुलस्यान
संपादक

सेवा सदन के गौरवशाली 68 वर्ष

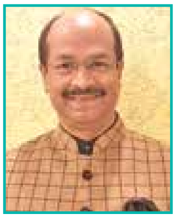

1958 में समाज के प्रबुद्धजनों, चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों के सहयोग से इस छोटे से अस्पताल का उदघाटन किया गया था । तब से लेकर आज तक, उसी सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए, हमने इसे झारखंड का एक प्रमुख चैरिटेबल अस्पताल बना दिया है। यहाँ विभिन्न प्रकार की चिकित्सा सुविधाएँ निरंतर निःस्वार्थ भाव से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

हमारा एकमात्र उद्देश्य है - यहाँ भर्ती प्रत्येक मरीज को समुचित उपचार, कम खर्च में और सम्मानजनक व्यवहार के साथ सेवा देना। चाहे वह समाज का कोई भी वर्ग हो।

दो दशक पहले तक हमारे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएँ उतनी सुदृढ़ नहीं थीं। परंतु आज सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। रांची जैसे शहर में 50 से अधिक छोटे-बड़े अस्पताल अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

इन सभी चुनौतियों के बावजूद, सेवा सदन ने पिछले दो वर्षों में अपने यहाँ कई नए विभाग खोले हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण हृदय रोग विभाग है। यहाँ Cath Lab के साथ-साथ हृदय रोगों की जटिल सर्जरी भी की जा रही है। हमें गर्व है कि सेवा सदन का हार्ट सेंटर रांची के सबसे अत्याधुनिक केंद्रों में से एक है।

साथ ही, कमजोर वर्ग के लोगों के लिए Community Dialysis Center शुरू किया गया है, जिसमें एक साथ 10 डायलिस मशीनें उपलब्ध हैं। जरूरतमंद मरीजों को मात्र रु. 500/- में यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

आज के समय में संपन्न वर्ग के लिए अस्पताल का खर्च उठाना कोई बड़ी बात नहीं है, परंतु निम्न आय वर्ग के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन जाता है। भारत सरकार की आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख तक का उपचार निःशुल्क उपलब्ध है और हाल ही में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। इसके बावजूद कई बार निम्न आय वर्ग के मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण यह है कि हर अस्पताल आयुष्मान योजना या किसी विशेष रोग से अनुबंधित नहीं होता।

इसके अतिरिक्त, सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था और विश्वसनीयता में कमी के कारण सेवा सदन जैसे चैरिटेबल अस्पतालों पर मरीजों का दबाव बढ़ जाता है। परंतु सेवा सदन के चिकित्सक और चिकित्साकर्मी इस चुनौती का सामना करने और प्रत्येक मरीज को सेवा देने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

हमारे जैसे अस्पतालों के सामने दूसरी बड़ी चुनौती कुशल चिकित्सकों और अनुभवी चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता है। जब नए अस्पताल खुलते हैं या सरकारी अस्पताल शुरू होते हैं, तो बेहतर वेतन के लिए कर्मी इधर-उधर जाने लगते हैं। ऐसे में उन्हें स्थाई रूप से बनाए रखना कठिन हो जाता है।

इस समस्या के समाधान के लिए हमारे मानव संसाधन विभाग द्वारा कर्मियों को निरंतर प्रशिक्षित किया जाता है। उन्हें न केवल कुशल उपचार, बल्कि मरीजों से अच्छा व्यवहार करने की मानसिकता के साथ कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। इस कार्य में प्रशिक्षित विशेषज्ञ और वरिष्ठ चिकित्सक उन्हें मार्गदर्शन देते हैं।

आज अस्पतालों पर निगरानी और नियंत्रण के लिए विभिन्न सरकारी विभागों का हस्तक्षेप बढ़ गया है। हालांकि यह मरीजों के हित में आवश्यक भी है, क्योंकि देश के कुछ अस्पतालों में सुरक्षा, अत्यधिक बिल और मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें सामने आई हैं।

कई बार यह भी देखा गया है कि इलाज के दौरान किसी मरीज की मृत्यु हो जाने पर बिना जाँच के चिकित्सकों और अस्पताल कर्मियों को दोषी ठहराकर कानून हाथ में ले लिया जाता है। देश के अधिकांश अस्पतालों को इस स्थिति का सामना करना पड़ता है।

इस प्रकार की अनेक चुनौतियों के बावजूद, सेवा सदन के पदाधिकारी, सदस्य, चिकित्सक और चिकित्साकर्मी मिलकर अस्पताल को सुचारू रूप से चला रहे हैं और सेवा प्रदान कर रहे हैं।

मेरा मानना है कि समाज के उन युवा साथियों को भी, जिनमें समाजसेवा की भावना है, सेवा सदन में आकर अपना सहयोग देना चाहिए।

अजय मारू
चेयरमैन, मेडिकल बोर्ड
एवं पूर्व अध्यक्ष

ऐसी जगह चुनों जो चुनौतियाँ देती हों,
सिर्फ तारीफें नहीं...।

प्रतिबद्धता का अनुपम उदाहरण - सेवा सदन

नागरमल मोदी सेवा सदन अपने स्थापना काल से ही राँची और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को उत्कृष्ट चिकित्सा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्धता के साथ सेवा कार्य करता आ रहा है।

5 शैय्या के मातृ प्रसूति गृह से 216 शैय्या वाला अस्पताल (एच. एच. पी. एल. के हृदय विभाग के 40 शैय्या सहित) बनना निश्चय ही टीम सेवा सदन की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। इस विकास यात्रा के प्रत्येक कदम पर संघर्ष हुआ है। वर्तमान में जो सुविधा सामान्य सी लग रही है, यह भी समाज के आर्थिक सहयोग एवं पूर्व की टीम सेवा सदन के समर्पित प्रयास से संभव हुई है। स्थापना काल से वर्तमान समय तक 13 अध्यक्षों एवं सचिवों की टीम ने प्रतिबद्धता के साथ प्रयास करते हुए स्वास्थ्य सेवा में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मरीजों के समुचित उपचार की दृष्टि से सेवा सदन की निम्नांकित सुविधाएँ एवं उपचार उल्लेखनीय हैं - पैथोलॉजी, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, ब्लड बैंक, डायट किचेन, दवा आपूर्ति केन्द्र, ऑक्सीजन प्लांट, एस. टी. पी, 2 मोड्यूलर ओ. टी. सहित 7 ओ. टी., प्रथम आधुनिक डायलिसिस सेन्टर, प्रथम लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, इण्डोस्कोपी - कोलोनोस्कोपी, फाइब्रोस्कैन, 24x7 इमर्जेंसी, 400 कोरोना मरीजों का उपचार, आयुष्मान, टी. पी. ए., एन. ए. बी. एच. इन्ट्री लेवल, 6 गहन चिकित्सा इकाई एवं पूर्ण रुपेण संसाधन युक्त हृदय चिकित्सा केन्द्र।

आरम्भ से ही प्रबंधन को कई चुनौतियों से जूझना पड़ता रहा है, जैसे पर्याप्त स्थान का अभाव, योग्य चिकित्सकों की कमी, उन्नत उपकरणों की अनुपलब्धता, अकुशल तकनीशियन, कम प्रशिक्षित परिचारिकाएँ, कुछ कर्मचारियों का रुखा व्यवहार, चतुर्थ श्रेणी के कई कर्मचारियों की कर्त्तव्य के प्रति उदासीनता, अर्थ की कमी, सरकारी कानून आदि। समाज के लिए यह गर्व की बात है कि ये चुनौतियाँ प्रबंधन टीम को डिगा नहीं पाई। प्रत्येक सत्र की टीम पूर्व के सत्र की टीम से प्रेरणा लेती रही, प्रयास करती रही, प्रतिबद्धता बढ़ाती रही। यह परम्परा निरंतर चल रही है।

कई असाध्य रोगों के उपचार उपलब्ध होने के बाद भी रोग एवं रोगियों की संख्या कम नहीं हो रही है। टीम सेवा सदन के स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन के 68 वर्ष के अनुभव के बाद भी विभिन्न एवं विविध चुनौतियाँ अलग-अलग रूप में विद्यमान है।

इनके सतत् समाधान हेतु समर्पित पदाधिकारियों की अगुवाई में 24 उपसमितियाँ कार्यरत हैं। उपसमितियों के अच्छे परिणाम देखने में आ रहे हैं। मरीजों के चेहरे पर कम खर्च में समुचित उपचार का संतोष दिखाई देता है।

कई उपलब्धियों के बावजूद हम राँची और आसपास के सभी मरीजों की पहली पसन्द का अस्पताल नहीं बन सके हैं, यह एक चिंतनीय विषय है।

टीम सेवा सदन (प्रबंधन, चिकित्सकगण, पैरा मेडिकल स्टॉफ एवं सहयोगी कर्मचारीगण) सभी मरीजों के समुचित उपचार (कम खर्च में अच्छे व्यवहार के साथ) करने हेतु प्रयासरत हैं, फिर भी निरंतर आवश्यकता है टीम सेवा सदन के सभी सदस्यों को थोड़ा और अधिक अनुशासित, अधिक करुणामय, अधिक नैतिक और अधिक प्रतिबद्ध होने की।

सेवा सदन में सेवा का मूल-मंत्र है, प्रेमपूर्वक प्रतिबद्धता के साथ पूरा प्रयास करना।

वेद प्रकाश बागला
सहायक सचिव

जीवन का आखिरी समय कैसे व्यतीत होगा इसका फैसला हमारा धन नहीं बल्कि हमारे द्वारा किए गए व्यवहार और संस्कार तय करेंगे।

मरीज अस्पताल में इस भरोसे से प्रवेश करे कि उसे उतना ही इलाज मिलेगा, जितना जरूरी है

मुनाफा तय न करे कि कौन-सी जांच हो और कौन-सी दवा दें...

डॉ. चन्द्रकांत लहारिया
जाने माने चिकित्सक

सभार : दैनिक भास्कर

सामुदायिक डायलिसिस केंद्र

डायलिसिस एक ऐसी चिकित्सीय प्रक्रिया है जिसका उपयोग तब किया जाता है जब व्यक्ति के गुर्दे (Kidneys) सामान्य रूप से कार्य करना बंद कर देते हैं या उनकी कार्यक्षमता बहुत कम रह जाती है। सामान्यतः गुर्दे शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और अपशिष्ट को मूत्र के माध्यम से बाहर निकालते हैं। जब यह कार्य संभव नहीं होता, तब डायलिसिस मशीन या विशेष तकनीक के माध्यम से रक्त को शुद्ध किया जाता है।

डायलिसिस मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है -

1. हीमोडायलिसिस (Hemodialysis) - मशीन द्वारा रक्त को साफ किया जाता है।
2. पेरिटोनियल डायलिसिस (Peritoneal Dialysis) - पेट की अंदरूनी झिल्ली (Peritoneum) का उपयोग प्राकृतिक फिल्टर के रूप में किया जाता है।

डायलिसिस की आवश्यकता कब पड़ती है?

क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKD) के अंतिम चरण में। दोनों किडनी की कार्यक्षमता 10-15% से कम होने पर। मधुमेह (Diabetes) के कारण किडनी खराब होने पर। उच्च रक्तचाप (High Blood Pressure) से किडनी क्षतिग्रस्त होने पर। अचानक किडनी फेल होने (Acute Kidney Injury) की स्थिति में।

डायलिसिस की प्रक्रिया :

हीमोडायलिसिस में रोगी का रक्त मशीन में भेजा जाता है, जहाँ विशेष फिल्टर (Dialyzer) रक्त से विषैले तत्वों को अलग करता है और शुद्ध रक्त वापस शरीर में पहुँचाया जाता है।

प्रति सत्र समय : लगभग 4-5 घंटे। सामान्यतः सप्ताह में 2-3 बार। प्रत्येक वर्ष लगभग 150-160 सत्र तक आवश्यकता हो सकती है।

डायलिसिस का स्वास्थ्य पर प्रभाव :

सकारात्मक प्रभाव

शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। सूजन और सांस लेने में कठिनाई कम होती है। जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। रोगी अधिक समय तक जीवित रह सकता है।

डायलिसिस के वित्तीय प्रभाव : (Financial Implication)

डायलिसिस केवल चिकित्सा उपचार नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाला आर्थिक दायित्व भी है।

1. **उपचार की लागत**

   भारत में एक हीमोडायलिसिस सत्र की अनुमानित लागत : निजी अस्पताल रु. 2,000/- से रु. 5,000/- (या अधिक)

   यदि सप्ताह में 3 बार डायलिसिस हो : मासिक खर्च : लगभग रु. 25,000/- से रु. 60,000/- + वार्षिक खर्च : लगभग रु. 3 लाख - रु. 7 लाख या उससे अधिक।

2. **दवाइयों का खर्च**

   डायलिसिस के साथ कई दवाइयाँ नियमित लेनी पड़ती है :

   रक्त बढ़ाने की दवाई (Erythropoietin)। आयरन इंजेक्शन। कैल्शियम एवं विटामिन डी। ब्लड प्रेशर की दवाएँ। अन्य सहायक दवाएँ।

इन पर हर महीने रु. 5,000/- से रु. 20,000/- तक खर्च हो सकता है।

डायलिसिस पर होने वाले खर्च को निम्न एवं मध्यम आयवर्ग के मरीजों को उठाना अत्यंत कष्टप्रद है। नागरमल मोदी सेवा सदन अपने सामुदायिक दायित्व को निभाते हुए निम्न आय वर्ग एवं मध्यम आयवर्ग के मरीजों के लिए 500/- रुपये प्रति डायलिसिस करने का कार्य प्रारंभ किया है, यह सुविधा उन मरीजों के लिए उपलब्ध है।

सेवा सदन में 17 जनवरी 2026 को सामुदायिक डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन श्री संजय सेठ, माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री के कर-कमलों द्वारा हुआ। इस सामुदायिक डायलिसिस केंद्र में अबतक 362 निम्न एवं मध्यम आयवर्ग के मरीजों की डायलिसिस की जा चुकी है।

रमेश धरनीधरका
उपसमिति चेयरमैन
सामुदायिक डायलिसिस सेवा

हेप्पी इनवायरमेंट एण्ड लो टेन्सन हॉस्पीटल

नागरमल मोदी सेवा सदन स्वास्थ्य अर्थात Health का पर्याय बन चुका है। सेवा सदन Happy Environment And Low Tension Hospital के रूप में मानवता की सेवा में लगा है।

आधुनिक भौतिक युग में जब कोई भी कार्य किया जाता है तो उसके पीछे लाभार्जन की इच्छा होती है, लेकिन यहीं आकर सेवा सदन सबसे अलग हो जाता है। 1958 में समाज के दूर दृष्टि वाले हमारे पूर्वजों ने इसकी स्थापना करते समय सिर्फ और सिर्फ पीड़ित मानवता की निःस्वार्थ भावना से सेवा का बीड़ा उठाया था। उन्होंने समाज की अगली पीढ़ी को इसे उपहार के रूप में सौंपा। हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं।

ऐसा भी नहीं है कि हमारी यात्रा बहुत सुगम रही है। बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे हैं सेवा सदन ने। समय-समय पर असामाजिक तत्वों द्वारा नर्सों, चिकित्सकों, प्रबंधन के साथ दुर्व्यवहार; कर्मचारियों की मांगें, पूर्व में प्रशासन द्वारा भवन का कुछ हिस्सा तोड़ने का आदेश - जैसी समस्याओं का गंभीरतापूर्वक निराकरण किया गया है।

योजनाबद्ध तरीके से नई सोच, नई संरचना और नए-नए विभागों के साथ वर्तमान प्रबंधन भी अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग करते हुए इस सदन को श्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान बनाने के लिए प्रयासरत है। कोई भी मरीज पूरी तरह से ठीक होकर वापस जाये यह हमारी प्राथमिकता है। हम इसमें पूर्णतः सफल हो रहे हैं और हमारे कदम, धीमी गति से ही सही - सही दिशा में बढ़ रहे हैं। इसमें हमें अपने सभी सदस्यों का पूरा सहयोग मिल रहा है। मरीज या उनके परिजनों की शिकायतों पर प्रबंधन, चिकित्सकों तथा कर्मचारियों द्वारा सहानुभूतिपूर्वक ध्यान देकर सुधार किया जाता है।

सेवा सदन के स्थापना दिवस पर हमें सदन के विकास कार्यो को गति प्रदान करने के लिए दान हेतु तत्पर महानुभावों एवं संस्थाओं का आभार प्रकट करते हुए प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। उनके कृपा पूर्ण सहयोग के बिना हम अपने प्रयास में अधूरे रह जाते।

आइये, सेवा सदन के स्थापना दिवस पर हम "मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है" के संकल्प को सार्थक बनाएँ।

कमल कुमार केडिया
उपसमिति चेयरमैन

सेवा सदन को आर्थिक आत्मनिर्भरता क्यों जरूरी ?

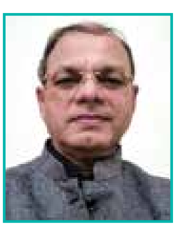

सेवा सदन का मुख्य उद्देश्य है समाज के कमजोर वर्गों को सस्ती, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य-सेवाएँ उपलब्ध कराना और मानव जीवन की रक्षा करना। यद्यपि सामाजिक अस्पतालों का मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता, फिर भी उनका आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना अति आवश्यक है। आर्थिक आत्मनिर्भरता का अर्थ है अस्पताल अपनी आय के माध्यम से अपने नियमित खर्चों का खुद वहन कर सके और अपनी सेवाओं को बिना किसी बाधा के निरंतर जारी रख सके। यदि अस्पताल पूरी तरह दान या बाहरी सहायता पर निर्भर रहता है तो आर्थिक संसाधनों की कमी होने से उसकी सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सेवा सदन के संचालन में अनेक प्रकार के खर्च शामिल होते हैं। चिकित्सक, नर्सों और अन्य कर्मचारियों का वेतन, दवाइयों की खरीद, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद एवं उनका रखरखाव, भवन की मरम्मत, बिजली, पानी, स्वच्छता तथा सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं पर नियमित रूप से बड़ी राशि खर्च होती है। यदि इन खर्चों के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध न हों तो सदन की कार्यक्षमता और सेवा की गुणवत्ता दोनों प्रभावित हो सकती है। अतः सदन के लिए स्थायी और विश्वसनीय आय का स्रोत होना आवश्यक है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर सेवा सदन आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपनाने, नए उपकरण खरीदने और विशेषज्ञ डॉक्टरों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति करने में सक्षम रहेगा। आर्थिक आत्मनिर्भरता स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान करती है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर अस्पताल स्वतंत्र रूप से अपनी योजनाएँ बना सकते हैं।

हालांकि आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि सेवा सदन अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को भूल जाये। एक सामाजिक अस्पताल उचित शुल्क लेकर आर्थिक संतुलन बनाए रख सकता है, साथ ही गरीब और जरूरतमंदों को रियायती दर पर उपचार भी प्रदान कर सकता है। कुशल वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से अस्पताल सेवा और आर्थिक स्थिरता के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। एक आर्थिक रूप से मजबूत अस्पताल न केवल मरीजों का इलाज करता है, बल्कि पूरे समाज को आशा का संदेश भी देता है।

यह गहरे संतोष और खुशी की बात है कि नागरमल मोदी सेवा सदन अस्पताल वर्तमान प्रबंधन के नेतृत्व में भी लगातार किफायती दर पर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के साथ-साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है।

कमल कुमार गोयनका
वरिष्ठ परामर्शी, सेवा सदन
(पूर्व प्रबंध निदेशक 'प्रभात खबर')

कुशल नेतृत्व

कुशल नेतृत्व का अर्थ है - व्यक्तिगत स्वार्थ, अहंकार और श्रेय की लालसा को त्यागकर संस्था के उद्देश्यों को प्राथमिकता देना।

काम ऐसा करो कि पहचान बन जाये, हर कदम चलो ऐसा कि निशान बन जाये।
यह जिन्दगी तो सभी काट लेते हैं, जिन्दगी ऐसे जिओ कि मिसाल बन जाये।

निःस्वार्थ नेतृत्व ही अपने साथियों के मनोबल को बढ़ाकर कार्य संस्कृति का निर्माण करते हैं।

सच्चे व मेहनती नेतृत्व के फल मधुर होते हैं
सुगन्ध देते हैं, व मिट्टी में भी खिलते हैं।

चुनौतीपूर्ण समय में सही व सटीक निर्णय लेना, संस्था के कार्य को महत्व देने में ऐसा नेतृत्व विश्वास पैदा करता है। जब टीम उत्साहित हो पर अनुभव ना हो तो राम बनो, और जब अनुभवी हो तो कृष्ण बनो। राम करते हैं, कृष्ण करवाते हैं। राम जीना सिखाते हैं कृष्ण जीतना सिखाते हैं। अपने सेवा व समर्पण का भाव किसी भी कार्य को छोटा नहीं समझता, आप उदाहरण बनते हैं तो सभी आपके पदचिन्हों पर चलना चाहेंगे।

कृष्ण भगवान कहते हैं, मत सोच तेरा सपना पूरा नहीं होता,
निःस्वार्थ भाव से कर्म करने वालों का इरादा कभी अधूरा नहीं होता।

जिस इंसान के कर्म अच्छे होते हैं उनके जीवन में कभी अंधेरा नहीं होता। कुशल नेतृत्व है अपने साथियों के दृष्टिकोण को समझना, उन पर विश्वास करना, उनकी बातों को सुनना, अपनी बात उनसे साझा करना, उन्हें कार्य भार भरोसे के साथ देना व उनका सहयोग भी करना, सफलता का श्रेय अपनी टीम को देना, यदि कोई गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना, माफी मांगने में संकोच नहीं करना। आप देखेंगे सब आप के साथ मन से जुड़ जायेंगे। अपने सभी साथियों, चाहे वे आपके यहाँ छोटे से छोटे कार्य कर रहे हों, उनके साथ करुणा, प्रेम व आदर के भाव रखना ही सर्वोच्च धर्म है।

मेहनत तू भरपूर कर, इतराना मत, लक्ष्य को निर्धारित रख,
दूर तू इससे जाना मत, मिलेंगी मंजिलें तुझको, तेरी सफलता शोर मचायेगी,
इच्छा शक्ति को मरने ना देना, सफलता कदम चूमेगी एक दिन।

रेखा जैन
उपाध्यक्ष

स्वच्छता

खुशहाल और सक्रिय जीवन जीने के लिए अच्छा स्वास्थ्य और स्वच्छता अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगों से मुक्त होना ही नहीं, इसका अर्थ है प्रसन्न मन और स्वस्थ शरीर।

अस्पतालों में स्वच्छता बनाए रखने का महत्व सर्वथा अत्यावश्यक है। प्रतिदिन सैकड़ों बीमार और संक्रामक रोगियों के ईलाज के कारण अस्पताल हानिकारक बैक्टिरिया और वायरस के पनपने का केंद्र बन सकते हैं। उचित स्वच्छता प्रयास इन अदृश्य खतरों से बचाव की पहली पंक्ति है।

इस आवश्यक प्रक्रिया में हाउसकीपिंग की अहम् भूमिका होती है। स्वच्छ वातावरण - स्वच्छ रोगी यही हमारा उद्देश्य है। इसके लिए नियमित साफ-सफाई, बायो मेडिकल कचरे का सही प्रबंधन, (अलग-अलग) रंग के डिब्बे में इकट्ठा करके सुरक्षित तरीके से नष्ट करना बहुत जरूरी है। इसमें पूर्ण सहयोग करते हैं हमारी हाउसकीपिंग टीम के सुपरवाइजर राहुल, पूनम, धीरज एवं अन्य। मेरे और मेरी मार्गदर्शक रेखा जैन जी की निगरानी में यह काम सजगता से हो रहा है। सदन जाना, यह काम देखना हमारे दैनिक कार्य की तरह है। समस्याओं से रु-ब-रु होना और फिर उनका हल निकालना हमें अच्छा लगता है। यह एक ऐसी चुनौती है जो हमें बहुत कुछ सिखाती भी है। सच कहा जाये तो सदन हमारा वो अभिन्न अंग है जिसके बिना हम अधूरे से हैं, वहाँ सेवा करना हमें पूर्ण करता है।

किसी भी कार्यस्थल पर स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण बनाए रखना सुरक्षा की मूलभूत आवश्यकता है। जहाँ संक्रमण और चोट का खतरा स्वाभाविक रूप से अधिक होता है वहाँ यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह अस्पताल की सुरक्षा, कार्यक्षमता और प्रतिष्ठा को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण कारक है। अंत में इतना ही कहूँगी -

"स्वच्छता ही सेवा है, गंदगी जानलेवा है"

कविता मित्तल
उपसमिति चेयरमैन

डिजिटल माध्यमों द्वारा जन-जागरूकता एवं सेवा विस्तार

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि जन-जागरूकता, सेवा विस्तार और संस्थान से जुड़ी जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसी भी संस्था की सेवाओं, उपलब्धियों एवं जनहितकारी गतिविधियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाया जा सकता है। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में डिजिटल माध्यम मरीजों एवं उनके परिजनों को सही जानकारी उपलब्ध कराने और संस्थान से सीधे जुड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सेवा सदन द्वारा भी पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल माध्यमों के उपयोग को लगातार बढ़ावा दिया गया है। सदन द्वारा फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पर नए आधिकारिक प्लेटफॉर्म तैयार किए गए और उन्हें व्यवस्थित रूप से संचालित करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने का प्रयास किया गया है।

पिछले कुछ वर्षों से हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि सेवा सदन की चिकित्सा सेवाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों, उपलब्ध सुविधाओं एवं जनहितकारी पहलों की जानकारी झारखण्ड के सुदूर क्षेत्रों के साथ-साथ राज्य के बाहर रहने वाले लोगों तक भी पहुँचाई जा सके, ताकि अधिक से अधिक मरीज सदन की सेवाओं का लाभ उठा सकें। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सेवा सदन की आधिकारिक वेबसाइट - (www.nmss.co.in) (http://www.nmss.co.in) भी तैयार की गई है। आने वाले समय में इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मरीज घर बैठे आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ ऑनलाइन परामर्श एवं अपॉइंटमेंट बुकिंग जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

डिजिटल माध्यम द्वारा सदन का उद्देश्य सदैव यही रहा है कि अधिक से अधिक लोग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं एवं सही जानकारी से लाभान्वित हों। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता विषयों पर वीडियो, रील्स, पोस्ट एवं अन्य डिजिटल सामग्री तैयार कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की जाती है। इन प्रयासों के माध्यम से आम लोगों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी सरल एवं सहज तरीके से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। "पीढ़ियों की पसंद - हमारा सेवा सदन" केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि सदन के साथ लोगों के वर्षों पुराने विश्वास और जुड़ाव को दर्शाती है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए वर्ष भर शुभकामना संदेशों के लिए फ्लायर्स एवं डिजिटल क्रिएटिव तैयार किए जाते हैं। इन्हें सोशल मीडिया के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक एवं संस्थागत माध्यमों के जरिए भी लोगों तक पहुँचाया जाता है। आज तक सेवा सदन द्वारा तैयार किए गए वीडियो, रील्स, स्वास्थ्य जागरूकता सामग्री, फ्लायर्स एवं अन्य डिजिटल गतिविधियों को सदन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। हम सभी शुभचिंतकों, मरीजों एवं उनके परिजनों से आग्रह करते हैं कि इस प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिक्रिया एवं सुझाव अवश्य साझा करें। साथ ही, आप सभी से अनुरोध है कि सेवा सदन के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को Follow/Like एवं Subscribe करें, ताकि सदन से जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी, नई सुविधाओं, जागरूकता कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी आपको समय-समय पर प्राप्त होती रहे।

डिजिटल माध्यम हमारे लिए केवल प्रचार का साधन नहीं, बल्कि सेवा, जागरूकता और लोगों तक पहुँचने का एक प्रभावकारी माध्यम है। हमारा प्रयास है कि तकनीक के माध्यम से नागरमल मोदी सेवा सदन की सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके।

वरुण जालान
उपसमिति चेयरमैन

सदन में लिवर इलास्टोग्राफी जाँच

लिवर इलास्टोग्राफी (Liver Elastography) एक दर्द रहित और गैर-आक्रामक जाँच है, जिसे आम तौर पर फाइब्रोस्कैन (FibroScan) भी कहते हैं। इसके जरिए डॉक्टर यह देखते हैं कि आपका लिवर कितना सख्त या कठोर है, और उसमें फैट या फाइब्रोसिस (लिवर में जख्म या स्कार टिशू) कितना है ?

यह टेस्ट क्यों किया जाता है ?

- **लिवर की कठोरता नापना :** लिवर में फाइब्रोसिस या सिरोसिस (गंभीर क्षति) की स्थिति का पता लगाने के लिए।
- **फैटी लिवर की जाँच :** लिवर में वसा (Fat) की मात्रा मापने के लिए।
- **बीमारी की निगरानी :** हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी या शराब से होने वाले लिवर नुकसान की गंभीरता देखने के लिए।

टेस्ट कैसे होता है ?

- **प्रक्रिया :** डॉक्टर आपकी दाईं पसलियों के पास त्वचा पर एक छोटा-सा उपकरण रखते हैं।
- **तरंगे :** यह उपकरण हल्की-सी तरंगें (Vibrations) लिवर में भेजता है।
- **समय :** यह जांच पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें केवल 15 से 30 मिनट लगते हैं।

लिवर इलास्टोग्राफी जाँच सेवा सदन में उपलब्ध है।

डॉ. पी.के. चौधरी
Endoscopist

मेरी आँखों के सामने समृद्ध होता सेवा सदन

मेरे लिए सेवा सदन केवल एक कार्यस्थल नहीं है। यह मेरे जीवन की महत्वपूर्ण यात्रा का एक हिस्सा है। मैं वर्ष 1989 से नागरमल मोदी सेवा सन से जुड़ा हुआ हूँ। जब मैंने इस संस्था से अपनी यात्रा प्रारंभ की थी, उस समय आज की तरह विशाल और बहु-विषयक चिकित्सा सुविधाएँ यहाँ उपलब्ध नहीं थी। उस समय मुख्य रूप से मेडिसिन, सर्जरी और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग ही प्रमुख चिकित्सा विभाग थे। लेकिन पिछले कई दशकों में मैंने अपनी आँखों के सामने इस अस्पताल को बदलते हुए देखा है।

एक-एक करके नए विभाग जुड़े। नई चिकित्सा सुविधाएँ शुरू हुईं। नई तकनीकें आईं। नए चिकित्सक जुड़े। नए विशेषज्ञ आए। नए भवन और नई सुविधाएँ विकसित हुईं और देखते ही देखते यह अस्पताल एक छोटे से नर्सिंग होम से आगे बढ़कर एक पूर्ण विकसित मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में स्थापित हो गया। मेरे लिए यह परिवर्तन केवल एक संस्थान का विकास नहीं - मेरी आँखों के सामने रची गई एक जीवंत विकास-गाथा है। आज सेवा सदन में चिकित्सा की अनेक आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। रेडियोलॉजी के क्षेत्र में डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन जैसी आधुनिक सुविधाओं का विकास हुआ। पैथोलॉजी विभाग ने आधुनिक जाँच सुविधाओं के साथ अस्पताल की डायग्नोस्टिक क्षमता को मजबूत किया। इसी प्रकार गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए अलग-अलग प्रकार की अत्याधुनिक इंटेसिव केयर सुविधाएँ विकसित की गई। आज यहाँ - सर्जिकल आई.सी.यू., क्रिटिकल केयर यूनिट, आई.सी.सी.यू., एम.आई.सी.यू., पेडियाट्रिक आई.सी.यू. (पी.आई.सी.यू), न्यूनाटल आई.सी.यू. (एन.आई.सी.यू.) उपलब्ध है।

विश्वस्तरीय हार्ट सेंटर - एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

सेवा सदन की विकास यात्रा में हार्ट सेंटर का प्रारंभ एक अत्यंत महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आज यहाँ आधुनिक हृदय रोग चिकित्सा के साथ ओपन हार्ट सर्जरी जैसी जटिल एवं अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएँ भी उपलब्ध हैं। जिस संस्था ने कभी केवल पाँच बिस्तरों से अपनी यात्रा शुरू की थी, उसका आज ऐसी जटिल हृदय चिकित्सा सेवाओं तक पहुँचना निश्चित रूप से एक असाधारण उपलब्धि है। यह उपलब्धि हमें यह विश्वास दिलाती है कि यदि संकल्प मजबूत हो, तो सीमित संसाधनों से शुरू हुई यात्रा भी उत्कृष्टता के शिखर तक पहुँच सकती है।

मेरी अपनी यात्रा :

वर्ष 1989 से आज तक की मेरी यात्रा को यदि मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो अनेक स्मृतियाँ सामने आती हैं। मैंने इस अस्पताल को बदलते और बढ़ते देखा है। मैंने पुराने समय की सीमित सुविधाओं को देखा है। मैंने नए विभागों को शुरू होते देखा है। मैंने नई मशीनों को आते देखा है। मैंने नए विशेषज्ञों को इस संस्था को जुड़ते देखा है। मैंने आई.सी.यू. सुविधाओं का विस्तार देखा है। मैंने अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं का विकास देखा है और सबसे महत्वपूर्ण - मैंने मरीजों और उनके परिवारों के विश्वास को सेवा सदन के प्रति लगातार बढ़ते देखा है।

आज मेडिकल सुपरिटेंडेंट के रूप में इस संस्था से जुड़ा होना मेरे लिए केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक गौरव और भावनात्मक जुड़ाव है। इन लंबे वर्षों में मैंने अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार इस संस्था के विकास और मरीजों की सेवा में योगदान देने का प्रयास किया है। इस लंबी यात्रा में मेरे प्रयासों से किसी मरीज को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिली हो, किसी परिवार को कठिन समय में सहारा मिला हो या अस्पताल की सेवा व्यवस्था को थोड़ा भी बेहतर बनाने में मेरा योगदान रहा हो, तो मैं इसे अपने जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानता हूँ।

भविष्य की ओर :

लेकिन किसी भी संस्था की सफलता केवल उसके अतीत की उपलब्धियों से नहीं मापी जाती। सच्ची सफलता तब है जब संस्था भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करती रहे। चिकित्सा विज्ञान तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक सर्जरी, एडवांस क्रिटिकल केयर, प्रीसिजियन मेडिसिन, आधुनिक डायग्नोस्टिक्स और अनेक नई तकनीकें चिकित्सा के भविष्य को बदल रहा है।

ऐसे समय में सेवा सदन के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है - अपनी विरासत को सुरक्षित रखते हुए भविष्य की चिकित्सा के लिए तैयार होना। सेवा सदन की यह यात्रा वास्तव में समाज की सामूहिक शक्ति की यात्रा है। मेरी सबसे बड़ी कामना यही है कि आने वाले वर्षों में नागरमल मोदी सेवा सदन न केवल चिकित्सा सुविधाओं और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़े, बल्कि मानवीय संवेदना, सेवा भावना और मरीजों के विश्वास में भी देश के श्रेष्ठ चिकित्सा संस्थानों के बीच अपना विशिष्ट स्थान बनाए, क्योंकि - **"इमारतें समय के साथ बड़ी होती हैं, लेकिन संस्थाएँ अपने सेवा-भाव से महान बनती हैं।"**

नागरमल मोदी सेवा सदन की यह गौरवशाली यात्रा अनवरत चलती रहे - और आने वाली पीढ़ियाँ इस विरासत को और ऊँचाइयों तक ले जाएँ। यही हमारी जिम्मेदारी है, यही हमारी उपलब्धि है और यही हमारा सबसे बड़ा कर्त्तव्य है।

डॉ० सुनील कुमार रुंगटा
मेडिकल सुपरिटेंडेंट

WHERE MOTHERHOOD BEGINS - NAGARMAL MODI SEVA SADAN

Our department of Obstetrics and Gynecology is a very special wing where science and emotion go hand in hand. This department witnesses the complete spectrum of a woman's life from adolescence to motherhood, from reproductive health to menopause.

And at the heart of this journey lies our labor room where every contraction carries a promise and every newborn cry announces a beautiful new beginning. For our medical team,each birth is not merely another delivery, it is a moment of immense responsibility and privilege.

'Let the mother be revered as divine' reminds us that caring for a woman is not simply a medical responsibility, it is a service to life itself. This spirit of reverence for motherhood found particularly a beautiful expression on MOTHERS DAY in our Seva Sadan. On this special occasion, mothers who had given birth in our Seva Sadan were honored with a copy of RAMCHARITMANAS - a humble yet deeply meaningful gesture to salute motherhood and celebrate the sacred journey they had undertaken. The distribution of this, beautifully brought together the blessings of our cultural heritage with the joy of welcoming new life.

THE BHAGWAD GEETA teaches; 'You have the right to perform your duty, but not to the fruits thereof' These words find a special meaning in healthcare. Every member of the Obst n gynae department team performs a duty that demands knowledge, precision, patience and compassion. Whether managing a complicated pregnancy, responding to an obstetric emergency, performing a surgical procedure, treating a gynecological illness or simply holding the hand of an anxious mother, our responsibility remains the same—to give our the very best.

Modern obstetrics has transformed childbirth, making it safer through advanced technology, high risk pregnancy care, fetal monitoring, anesthesia, blood bank support and neonatal expertise. Above all, the compassionate smile and the confidence conveyed by a caring team, often become as important as any medical intervention.

As we look ahead our commitment to provide safe motherhood, dignified care and healthy beginnings remains unwavering. Because ultimately, the true measure of our work is not only in the procedures we perform or the numbers we achieve, but in the lives we touch.

DR ANJU KUMAR
Sr. Consultant
MD (OBST & GYNAE), DGO

PROPOSED VACCINES FOR ADULTS

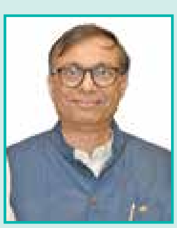

EVERY SENIOR CITIZEN SHOULD FIX UP AGENDA FOR NEXT 20-30 YEARS

	VACCINE
1.	Influenza
2.	Tetanus, Diphtheria, Pertussis (Tdap)
3.	Measles, mumps, rubella (MMR)
4.	Varicella (VAR)
5.	Human Papilloma Virus (HPV)
6.	Pneumococcal Vaccine
7.	Hepatitis A (Hep A)
8.	Hepatitis B (Hep B)
9.	Meningococcal

- Dr. Vinay Dhandhania
Diabetologist

"Excellence is never an accident. It is the result of high intention, sincere effort, intelligent direction, skilful execution and the vision to see obstacles as opportunities."

CLINICAL EXCELLENCE to INSTITUTIONAL EXCELLENCE

What makes a great hospital ?

Clinical excellence is the constant delivery of safe evidence-based and patient-oriented health care that meets or exceeds established benchmarks of any institution, and consistently yields the best possible medical outcome.

It goes beyond basic medical competence by blending evidence-based practices with deep empathy, strong communication skills, and continuous professional development and innovative mindset.

The concept is generally defined and measured by several core foundational pillars :

1. **The Core Domains of a Clinician**

   The core domains of a clinician – medical professional who exemplify clinical excellence by typically displaying specific, widely recognized traits :

   a) Diagnostic Acumen, b) Empathy and Professionalism, c) Scholarly Approach

2. **Organisational Quality Indicators**

   a) Clinical outcomes

   b) Patient Safety scientific strategic Planning

   c) Patient Satisfaction

3. **Why it Matters**

   Ultimately, clinical excellence ensures that patients receive the highest value of care

   It requires teamwork :

   • *from doctors and nurses to administrators and pharmacists*

   • *ensuring that every phase of a patient's treatment is efficient, compassionate, and highly effective.*

   Co-ordination between, Giving robust value of core, Teamwork, Patients' safety, Scientific strategic

Planning

Institutional Excellence

This means an organization achieves high performance through effective leadership, clear strategy and continuous process of improvement in infra facilities. It focuses on long-term value instead of short-term awards.

Key Pillars :

Shared vision, Aligning everyone with one clear team goal, Clear communication, Sharing information and open message to build trust, Integrity, Choosing ethical actions and putting one's principles [before] compliance.

Process improvement

- Fixing daily steps to make work smooth and fast.

Action Steps

- Plan goals — Set clear targets and time lines for the whole team, Check current work — Look at real data to see where the group fails or succeeds, Use technology — Bring in new digital tools to cut down mistakes and save time.

Transformation from clinical excellence to institutional excellence requires scaling individual expertise into standardized high quality systems, fostering a culture of innovation and aligning operational leadership with evidence based care.

Key elements include establishing centres of excellence, implementing robust evidence based clinical governance and investing in continuous training and research.

Thus, institutional excellence is demonstrated by :

i) Accreditation, ii) Process improvement, iii) Strong leadership, iv) Total quality management

INSTITUTIONAL EXCELLENCE

Institutional Excellence Clear strategy, ethical values, supreme process of improvement in infrastructure and facilities.

Aligning forces secured vision on basis of shared vision clear team effort and goal.

"No institution can be run with a discontented staff"

The most fundamental aim and objective at Nagarmal Modi Seva Sadan is "Sarve Bhavantu Shukhinah Sarve Santu Niramayah Sarve Bhadrani Pasyanti Ma Kaschidduh khabhagbhaveta!"

Dr. Kumar Shilmani
Sr. Consultant

हर जीवन को बचाना है

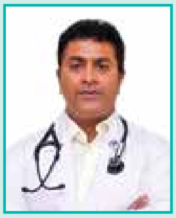

चिकित्सकीय गहन चिकित्सा इकाई (MICU) में कई बार हमें जीवन की सबसे कठिन वास्तविकताओं का सामना करना पड़ता है। हर प्रयास सफल नहीं होता, हर कहानी सुखद अंत तक नहीं पहुँचती। ऐसे क्षण मन को गहराई से छू जाते हैं। फिर अगले ही पल किसी नए मरीज की धड़कन हमें पुकारती हैं और उसी क्षण हम स्वयं को फिर उसी समर्पण के साथ सेवा में लगा देते हैं। यही आपातकाल चिकित्सक का धर्म होता है। जब किसी बुजूर्ग की साँसें धीमी पड़ने लगती हैं या जब किसी युवा का हृदय अचानक रूक जाता है, जब किसी माँ का घायल बच्चा हमारी ओर देखता है तब चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं रह जाती है - वह सेवा, करूणा और मानवता का स्वरूप बन जाती है।

आपातकाल विभाग की सफलता कभी किसी एक व्यक्ति की नहीं होती है। यह चिकित्सकों, नर्सों, पारामेडिकल स्टाफ, सुरक्षाकर्मियों, सफाइ कर्मचारियों के सामूहिक समर्पण का परिणाम होती है, जो दिन-रात बिना थके एक ही कर्त्तव्य के लिए काम करते हैं। मैं अपने सभी सहयोगियों को नमन करता हूँ जिनके अथक प्रयास से सेवा सदन अनगिनत परिवारों के लिए आशा का केंद्र बना हुआ है। साथ ही मरीज के परिजनों से विनम्र आग्रह है कि :

- प्राथमिक उपचार का ज्ञान रखें।
- आपातकालीन परिस्थियों में समय पर सही चिकित्सक की सहायता लेने में विलंब न करें।
- कई बार कुछ मिनट ही जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करते हैं।

हम समय से नहीं मृत्यु से दौड़ लगाते हैं ताकि मरीज को जीवन की एक दूसरी सुबह मिल सके। अस्पताल का आपातकालीन विभाग केवल ईंट-पत्थरों से बना एक कक्ष नहीं है, यह वह स्थान है जहाँ समय की रफ्तार सबसे तेज होती है, निर्णय सबसे कठिन होते हैं और उम्मीद सबसे गहरी होती है। यहाँ घड़ी की टिक-टिक किसी धड़कन से जुड़ी होती है और हर साँस एक नए जीवन की कहानी लिख सकती है।

एक आपातकाल चिकित्सक के रूप में हमारा हर दिन अनिश्चितताओं से भरा होता है। कब कौन-सी एम्बुलेंस सायरन बजाती हुई आएगी और कौन-सा परिवार उम्मीद और भय के बीच खड़ा मिलेगा या किस मरीज को तुरंत जीवनरक्षक उपचार की आवश्यकता होगी यह कोई नहीं जानता। लेकिन एक बात निश्चित होती है हर मरीज के लिए हर परिस्थिति में पूरे मन, ज्ञान, समय और संवेदना के साथ सक्रिय रहने की प्रतिबद्धता।

सेवा सदन में हम सिर्फ रोग का उपचार नहीं करते, बल्कि भयभीत आँखों में विश्वास की ज्योति जगाने का भी प्रयास करते हैं।

आपातकाल चिकित्सक होने का अर्थ अंततः केवल एक पेशा निभाना भर नहीं है, बल्कि जब तक किसी की साँसों की उम्मीद बाकी है, तब तक हमारा प्रयास भी जारी रहता है। हमारे लिए एक मरीज केवल एक केस नहीं बल्कि किसी परिवार की पूरी दुनिया होती है। जब तक उम्मीद की एक किरण शेष है तब तक हमारा संघर्ष भी जारी रहता है।

डॉ० कृष्णा एम. प्रसाद
HOD Emergency &
MICU Incharge

टीकाकरण : स्वस्थ बचपन, सुरक्षित भविष्य

"कम खर्च - समुचित इलाज - सही व्यवहार" सेवा सदन का ध्येय वाक्य ही नहीं, बल्कि प्रत्येक मरीज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। इसी संकल्प के साथ सेवा सदन समाज के प्रत्येक बच्चे तक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण टीकाकरण सेवाएँ पहुँचाने के लिए निरंतर कार्यरत है। सेवा सदन में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम (सरकारी टीके) के अंतर्गत उपलब्ध सभी टीके पूर्णतः निःशुल्क लगाए जाते हैं। इन टीकों के लिए मरीजों से कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता। अनुभवी बाल रोग विशेषज्ञ (Pediatrician) की उपलब्धता में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से टीकाकरण किया जाता है।

टीकाकरण हेतु अस्पताल में एक समर्पित एवं सुव्यवस्थित वैक्सीनेशन कक्ष की व्यवस्था है, जहाँ स्वच्छता, गुणवत्ता एवं सुरक्षा के सभी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाता है। हमारा उद्देश्य केवल टीका लगाना नहीं, बल्कि प्रत्येक अभिभावक को सही परामर्श देकर बच्चों को गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखना है।

सेवा सदन द्वारा यह सेवा सामाजिक उत्तरदायित्व (Social Service) की भावना से संचालित की जा रही है, ताकि आर्थिक या अन्य किसी कारण से कोई भी बच्चा जीवनरक्षक टीकों से वंचित न रहे। हमारा विश्वास है कि रोग का उपचार करने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है रोग की रोकथाम।

सरकारी टीकों के अतिरिक्त, बच्चों की आयु एवं आवश्यकता के अनुसार अन्य अनुशंसित (Private) टीकाकरण सेवाएँ भी हमारे अस्पताल में उपलब्ध हैं।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएँ जहाँ हर बच्चे को समय पर टीकाकरण मिले, हर परिवार निश्ंचित रहे और हर मुस्कान स्वस्थ भविष्य का संदेश दे।

डॉ० अविषेक अग्रवाल
एम.डी. (पेडिएट्रिक्स फेलोशिप)

आयुष्मान भारत एवं कैशलेस स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति

नागरमल मोदी सेवा सदन पिछले 68 वर्षों से राँची एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को कम लागत पर उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएँ निरंतर प्रदान करता आ रहा है। सेवा सदन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है।

वर्ष 2023 से नागरमल मोदी सेवा सदन आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) के अंतर्गत मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रहा है। वर्तमान में केवल झारखण्ड ही नहीं, बल्कि बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश एवं असम सहित अन्य राज्यों के लाभार्थी भी यहाँ उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

विगत एक वर्ष में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कुल 801 मरीजों का सफल उपचार किया गया, जिनमें जुलाई 2025 से जून 2026 तक कुल मरीज 801, जिनमें महिला मरीज 403, पुरुष मरीज 398, वरिष्ठ नागरिक 95 थे।

वरिष्ठ नागरिकों को उपचार में विशेष प्राथमिकता दी गई, जिनमें - टोटल नी-रिप्लेसमेंट (TKR) 12, हिप रिप्लेसमेंट 9, मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ नागरिक मरीज 95 थे जिनमें महिला 48, पुरुष 47 थे।

वर्तमान में निम्नलिखित विभागों के माध्यम से सदन में आयुष्मान अन्तर्गत विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही है - मेडिसिन विभाग, ऑर्थोपेडिक विभाग, जनरल सर्जरी विभाग, पीडियाट्रिक मेडिसिन विभाग। साथ ही यूरोलॉजी एवं नियोनेटल विभाग को भी आयुष्मान अन्तर्गत शीघ्र प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए आवश्यक अनुमोदन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NRHM) से प्राप्त होने की प्रक्रिया में है।

वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा एवं बेहतर देखभाल को ध्यान में रखते हुए उन्हें यथासंभव सिंगल रूम अथवा डबल-शेयरिंग रूम उपलब्ध कराए जाते हैं, ताकि उन्हें शांत, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण वातावरण में उपचार मिल सके।

अस्पताल में मरीजों को निम्न सुविधाएँ 24 घंटे उपलब्ध कराई जाती हैं - आधुनिक जाँच (Investigations), नर्सिंग सेवाएँ, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी। जिन वरिष्ठ नागरिकों के पास आयुष्मान कार्ड उपलब्ध नहीं होता, उनके लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया भी सेवा सदन द्वारा कराई जाती है, ताकि कोई भी पात्र मरीज योजना के लाभ से वंचित न रहे। सेवा सदन निरंतर प्रयासरत है कि आयुष्मान भारत योजना के प्रत्येक लाभार्थी को समुचित, सम्मानजनक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जाये।

आयुष्मान भारत योजना के साथ-साथ नागरमल मोदी सेवा सदन वर्तमान में 22 प्रमुख स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के माध्यम से कैशलेस उपचार सुविधा भी प्रदान कर रहा है। अस्पताल का TPA विभाग सदैव इस बात का प्रयास करता है कि मरीजों से न्यूनतम उपभोज्य (Consumables) एवं गैर-देय (Non-payable) खर्च लिया जाए तथा उन्हें अधिकतम कैशलेस सुविधा प्रदान की जा सके।

बीमित मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल की तीसरी मंजिल पर वातानुकूलित (AC) कक्षों की व्यवस्था की गई है। साथ ही TPA कार्यालय प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक कार्यरत रहता है तथा अस्पताल के सभी विभाग बीमा एवं कैशलेस सेवाओं से समन्वित रूप से जुड़े हुए हैं।

राज्य स्वास्थ्य कर्मी योजना के अन्तर्गत आने वाले स्वीकृत विभागों के लाभार्थियों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा सेवा सदन में है।

नागरमल मोदी सेवा सदन का संकल्प केवल उपचार देना नहीं, बल्कि प्रत्येक मरीज को सम्मान, संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान करना है। हमारा विश्वास है कि संतुष्ट मरीज ही हमारी सबसे बड़ी पहचान हैं और वे अपने सकारात्मक अनुभवों के माध्यम से अन्य लोगों को भी नागरमल मोदी सेवा सदन आने के लिए प्रेरित करेंगे।

प्रीतम कुमार
मेडिक्लेम एवं आयुष्मान इन्चार्ज

लक्ष्य

मरीज के प्रभावी उपचार को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं को नैतिकता के साथ निरंतर उन्नत करते रहना जिससे यह अस्पताल राँची और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों की पहली पसंद का अस्पताल हो।

उद्देश्य

कम खर्च - समुचित ईलाज - सही व्यवहार

मूल्य

अनुशासन, करूणा, नैतिकता और प्रतिबद्धता

मंतव्य (Feedback)

To,
The Secretary,
Nagar Mal Sewa Sadan Hospital,
Ranchi, Jharkhand.

Subject: Heartfelt Gratitude to the Entire Sewa Sadan Team.

Dear Sir,

On 25th May, 2026 at 4:30 AM, I experienced acute stomach pain and sudden sweating. I rushed to Sewa Sadan, where they immediately conducted all the necessary formal tests, including an ECG, blood tests, and a Troponin test. After reviewing the results, the medical team assured me there was nothing to worry about. They treated me with the required medication and an IV saline drip.

Thanks to their prompt care, I was safely discharged and returned home in less than two hours. I am incredibly fortunate and grateful for the care I received. It was a true eye-opener to witness such excellent services and best medical practices available right here.

My heartfelt thanks to everyone at Sewa Sadan, Ranchi.

Regards,

Rajeev

(Rajeev Kr. Gupta)
Founder & Director
Ideate Inspire Ignite Foundation
(www.i3foundation.org)
VRS from Government of Jharkhand
(Ex Treasury Officer, Doranda, Ranchi)

मैं, पूनम केरकेट्टा, कडरू सरना समिति की ओर से नागरमल मोदी सेवा सदन, राँची के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ।

पिछले दो वर्षों से नागरमल मोदी सेवा सदन के सहयोग से प्रत्येक सप्ताह दो दिन हमारे क्षेत्र में नियमित रूप से चिकित्सकीय सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। हमारे मोहल्ले में अनेक ऐसे लोग हैं, जो आर्थिक तंगी, समय की कमी या अन्य कारणों से डॉक्टर के पास जाकर ईलाज नहीं करा पाते थे और लंबे समय तक अपने कष्ट सहते रहते थे। आज उन्हें अपने ही मोहल्ले में अनुभवी चिकित्सकों से परामर्श, आवश्यक दवाइयाँ तथा स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन सहज रूप से प्राप्त हो रहा है।

इस सेवा ने न केवल लोगों की पीड़ा कम की है, बल्कि उनमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और विश्वास भी बढ़ाया है। नागरमल मोदी सेवा सदन का यह निःस्वार्थ सेवा कार्य वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक है।

कडरू सरना समिति की ओर से हम नागरमल मोदी सेवा सदन के सभी पदाधिकारियों, चिकित्सकों एवं सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि यह जनसेवा का अभियान निरंतर आगे बढ़ता रहे और अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिलता रहे।

पूनम केरकेट्टा
कडरू सरना समिति, राँची

सेवा सदन में सायंकालीन ओ.पी.डी.

नागरमल मोदी सेवा सदन में मरीजों की सुविधा के लिए सायंकालीन ओपीडी अत्यंत सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। अनेक कामकाजी एवं नौकरीपेशा लोगों को दिन में डॉक्टर से मिलने का समय नहीं मिल पाता, ऐसे लोगों के लिए सायंकालीन ओपीडी विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो रही है।

सायंकालीन ओपीडी में मरीजों की संख्या में हो रही वृद्धि और लोकप्रियता का मुख्य कारण सुविधाजनक सायंकाल के साथ-साथ सभी प्रकार की जाँच सुविधा भी एक ही परिसर में होना भी उपलब्ध है। इससे मरीजों को बाहर भटकना नहीं पड़ता।

नागरमल मोदी सेवा सदन अपनी सायंकालीन सेवा की प्रतिबद्धता पर भी पूरी तरह खरा उतर रहा है और आम जनता को सुलभ, सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सायंकालीन ओ.पी.डी. का समय : सायं चार बजे से सात बजे तक।		
क्र. सं.	डॉक्टर	विशेषज्ञ
1.	डॉ. के. पी. दारूका	सामान्य चिकित्सा
2.	डॉ. अविषेक अग्रवाल	शिशु रोग
3.	डॉ. राजेश मारू	सर्जरी
4.	डॉ. जय पलक	हड्डी रोग
5.	डॉ. रोहित कुमार	मेक्सिलोफेसियल
6.	डॉ. सिद्धांत जैन	सामान्य चिकित्सा

सेवा सदन द्वारा आयोजित चिकित्सीय परामर्श शिविर

1. 15.11.25 फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर कामर्स एंड इंडस्ट्रीज - चैम्बर भवन में।
2. 07.04.26 विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सेवा सदन में। इसमें 203 लोगो को सेवा दी गई।
3. 05.07.26 को खुंटी अंचल में आयोजित शीविर में 106 लोग लाभान्वित हुए।
4. सरना समिति, कडरु में 14.07.24 से लगातार प्रत्येक सप्ताह दो दिन शिविर आयोजित हो रहा है।

नीतू शर्मा
हॉस्पीटल एडमिनिस्ट्रेटर

सेवा सदन परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि...

के. के. पोद्दार

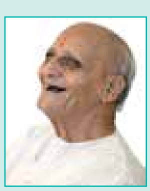

भागचन्द पोद्दार

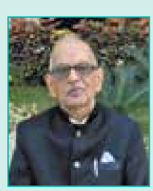

आत्मा राम शाह

किशन लाल चौधरी

संतोष जैन

रोहित मोदी

श्रद्धेय स्व. के.के. पोद्दार जी 1991 से 2000 तक लागातार तीन सत्रों तक सदन के अध्यक्ष रहे। सेवा सदन को गति देने में, आधुनिक बनाने में आपका अतुलनीय योगदान रहा है। श्रद्धेय स्व. भागचंदजी पोद्दार के समर्पित सहयोग से सदन समृद्ध हुआ है। आपकी सादगी, सहजता और मधुर मुस्कान ने गहरी छाप छोड़ी है। श्रद्धेय स्व. आत्मा राम जी शाह सदन के पूर्व उपाध्यक्ष रहे। आप परिपक्वता और आत्मीयता के उत्कृष्ट उदाहरण थे। स्व. रोहित मोदी ने सदन के सहायक सचिव के रूप में अपनी सेवाएं दी। स्व. श्रीमती संतोष जैन सक्रिय कार्यकर्त्ता थी। स्व. किशन लाल जी चौधरी ने रांची से बाहर रहते हुए भी सदन के प्रति सहयोग एवं समर्पण की भावना बनाये रखी।

(सेवा सदन संवाद के गत अंक प्रकाशन (अगस्त 2025) के पश्चात सदन परिवार को हुई अपूरणीय क्षति)

सेवा सदन सुर्खियों में...

नागरमल मोदी सेवा सदन ने मनाया 68वां स्थापना दिवस

कम खर्च में समुचित इलाज देता है सेवा सदन अस्पताल : अरुण

सेवा सदन अस्पताल में एक साल के मरीज का जटिल उपचार

हार्ट सेंटर सेवा सदन में 16 वर्षीय युवक के हृदय रोग की हुई सफल शल्य चिकित्सा

নাগরমল মোদি সেবা সদনের ৬৮তম প্রতিষ্ঠা দিবস উদযাপন, সমাজসেবায় নতুন দিগন্তের সূচনা

নাগরমল মোদি সেবা সদনের সহযোগিতায় কডরু সরনা সমিতির হাড় শিবিরের দুই বছর পূর্তি

नागरमल मोदी सेवा सदन का 68वां स्थापना दिवस मना...

...वा सदन में 500 रुपए में शुरू की ...रोगी डायलिसिस सेवा : आशीष

सेवा सदन संवाद पत्रिका का लोकार्पण करते अतिथि

नागरमल मोदी सेवा सदन का 68वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक संपन्न

चिकित्सक भगवान के स्वरूप हैं और सेवा सदन एक मंदिर है : ओमप्रकाश केजरीवाल

उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ प्रवीण मेहरा को किया गया सम्मानित

हड्डी उपचार शिविर में 40 मरीजों ने उठाया लाभ

नगरमल मोदी सेवा सदन में असहाय रोगी का हुआ निःशुल्क इलाज

सेवा सदन में नर्सों के लिए शुरू होंगे नए स्किल प्रोग्राम

रांची | नागरमल मोदी सेवा सदन ... मंगलवार को 'नर्सेस डे' मनाया गया। ... दौरान सदन के अध्यक्ष अरुण छावछरिया ... ने नर्सों के सेवा कार्यों की सराहना ... वहीं, मानद सचिव और सहायक ... वेद प्रकाश बागला ने नर्सों को अस्... की नींव का पत्थर बताया। चि... अधीक्षक डॉ. सुनील रुंगटा ने प्रबंध... नर्सों की कार्यकुशलता बढ़ाने के ... कैरियर रोडमैप वर्कशॉप, ... लीडरशिप शैडो प्रोग्राम, फाइनेंशि... प्लानिंग, नर्स एंटरप्रेन्योर टॉक्स ... नर्सेस टीच डॉक्टर्स सेशन जैसे न... शुरू करने का आग्रह किया। ... अलावा सर्टिफिकेट कोर्स शुरू ... जाए, ताकि परिचारिका रिटायरमेंट ... बाद भी सेवा कार्य जारी रख सकें। ... के चेयरमैन आलोक तुलस्यान ने ... कि नर्सेस वे आंखें हैं जो मरीज... पहले खतरे भांप लेती हैं। कार्यक्रम ... अंजु कुमार, श्वेता जायसवाल ... बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ मौजूद थे।

नागरमल मोदी सेवा सदन में धूमधाम से मनाया गया ...

डॉक्टर्स सम्मान

निजी अस्पतालों को लेकर धारणा और पुनर्विचार विषय पर विमर्श

एसओपी से स्वास्थ्य ढांचा को मिलेगा बल

सेवा सदन के शिविर में 203 लोगों की जांच

सेवा सदन में किया गया झंडोत्तोलन

सेवा सदन में डॉक्टर डे पर चिकित्सकों का हुआ सम्मान, पौधा भेंट कर जताया आभार

चिकित्सकों को हर कदम पर सम्मान और सुरक्षा मिलनी चाहिए : अरुण

कडरू सरना समिति में निःशुल्क चिकित्सा शिविर के दो वर्ष पूरे

सेवा सदन के हड्डी उपचार शिविर में 40 से अधिक मरीजों की जांच

सेवा सदन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

203 से अधिक लोगों ने शिविर का लाभ उठाया

• Shreya, Ranchi